फरीदाबाद में कोरोना जांच के नाम पर निजी लैब और बीके अस्पताल ने मचाई अंधेरगर्दी

टेस्टिंग के मनमाने रेट, पैसे की रसीद देने को तैयार नहीं, डॉक्टरों से मिलीभगत

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: शहर में कोरोना के मरीज बेतहाशा बढ़ रहे हैं और जिला प्रशासन ने बड़े पैमाने पर एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं लेकिन इसी के साथ शहर के प्राइवेट लैब से मनमाना पैसा वसूलने की सूचनाएं भी मिल रही हैं। कोरोना टेस्ट करने वाली प्राइवेट लैब पर जिला प्रशासन की जरा भी नहीं चल रही है। हालांकि इन पर तमाम कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई हो सकती है लेकिन जिला प्रशासन ने इनकी लूट को रोकने के लिए कोई कदम नहीं उठाया है।

कैसा ये गोरखधंधा

अरुण खरबन्दा नामक शख्स ने शिकायत की है उन्होंने गुरुवार 19 नवम्बर को सेक्टर 9 स्थित एसआरएल टेस्टिंग लैब पर कोरोना जांच के लिए बुकिंग कराई। इस एसआरएल सेंटर चलाने वालों ने अरुण खरबन्दा से 1500 रुपये मांगे। परिवार ने जब लैब वाले से इसकी रसीद मांगी तो उसने रसीद ही देने से मना कर दिया। सरकार की ओर से ऐसे टेस्ट का रेट 900 रुपये तय किया गया है लेकिन कोई भी निजी लैब इसे मानने को तैयार नहीं है।

ऐसा अकेला सेक्टर 9 की किसी एक प्राइवेट टेस्टिंग लैब का हाल ही नहीं है। कुछ लैब तो डॉक्टरों के रेफर करने पर टेस्ट कर रही हैं। डॉक्टर खुद पूरी मोटी फीस वसूल लेता है। बाद में वह टेस्टिंग लैब से रिपोर्ट मंगाकर इलाज शुरू कर देता है।

प्राइवेट डॉक्टरों या नर्सिंग होम से रेफर किये जा रहे कथित कोरोना संक्रमित मरीजों की रिपोर्ट सीधे उसी प्राइवेट डॉक्टर के पास आ जाती है। वह मरीज कोरोना के नाम पर उस अस्पताल में तीन-चार दिन रखा जाता है। मोटा बिल वसूल कर और उसी लैब से दूसरी कोरोना नेगेटिव रिपोर्ट मंगाकर मरीज को घर भेज दिया जाता है। मरीज को अंत तक कन्फ्यूजन रहता है कि उसे कोरोना हुआ था या नहीं। मामूली खांसी, जुकाम और बुखार वालों को भी कोरोना संक्रमित घोषित किया जा रहा है। यह सारा खेल प्राइवेट लैब एजेंसियां और कुछ प्राइवेट डॉक्टर मिलकर खेल रहे हैं।

बिना आधार जांच नहीं

बेलसिना कुमार ने केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय में शिकायत की है कि कोरोना लक्षण पाये जाने पर उनकी 80 साल की चाची को फरीदाबाद के एक नामी प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया लेकिन अस्पताल ने उनसे आधार कार्ड मांगा। घर वाले बुजुर्ग महिला का आधार कार्ड लेकर नहीं गये थे। उस प्राइवेट अस्पताल ने उस बुजुर्ग महिला का टेस्ट करने और भर्ती करने से मना कर दिया। आरोप है कि फरीदाबाद में निजी अस्पताल सिर्फ ऐसे कोरोना मरीजों को ही भर्ती कर रहे हैं या उनका इलाज कर रहे हैं जिनकी आर्थिक स्थिति अच्छी होती है या फिर उनके पास कोई मेडिक्लेम होता है। बड़ी तादाद में ऐसे मरीज वापस किये जा रहे हैं जिनके पास न पैसा है और न मेडिक्लेम। सरकारी अस्पताल की तादाद कम होने और स्थिति अच्छी न होने की वजह से अधिकांश लोग प्राइवेट अस्पतालों की तरफ भागते हैं लेकिन प्राइवेट अस्पतालों का रवैया लूट खसोट वाला है।

इमरजेंसी की बजाय ओपीडी

कुछ निजी अस्पतालों में कोरोना के संदिग्ध मरीजों को इमरजेंसी केस नहीं मानते हुए उन्हें जबरन ओपीडी में लाया जाता है। वहां से उनके लिए अनावश्यक टेस्ट लिख दिये जाते हैं। मरीजों को ऐसे - ऐसे टेस्ट लिखे जाते हैं, जिनकी उसे जरूरत ही नहीं है। सरकार का निर्देश है कि कोरोना के मरीजों को इमरजेंसी केस माना जाए लेकिन निजी अस्पताल इसकी खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। मरीजों के साथ आये लोग या तीमारदार डॉक्टरों से जब तमाम टेस्ट के बारे में पूछते हैं तो वे चुप्पी लगा जाते हैं, क्योंकि उन्हें अस्पताल मैनेजमेंट ने इस बारे में किसी भी तरह की बात मरीज या उसके घर वालों से करने से मना कर रखा है।

बीके अस्पताल में भी वसूली

फ़रीदाबाद के सरकारी अस्पताल में कोरोना टेस्टिंग के नाम पर भी वसूली हो रही है। हरियाणा सरकार का निर्देश है कि सरकारी अस्पतालों में कोरोना जाँच मुफ़्त होगी।

फरीदाबाद के रहने वाले सतीश मित्तल, उनकी पत्नी और बेटा कोरोना से ठीक होने के बाद जब पुष्टि के लिए बीके अस्पताल की लैब में आये तो वहाँ तैनात लैब टेक्नीशियन पंकज राजपूत ने उनसे नौ सौ रुपये प्रति मरीज के हिसाब से बिना रसीद के मांगे। जो उन्होंने नहीं दिये और उसको शिकायत करने की धमकी दी। तो उसने फ्री में टेस्ट किया।

बीके अस्पताल प्रशासन ने खुद सरकार का नोटिफिकेशन दीवार पर चिपका रखा है। जिसमें स्पष्ट किया है कि विदेश यात्रा या किसी कम्पीटिशन में जाने के लिए अगर कोरोना मुक्त होने का प्रमाण पत्र चाहिये तो उसके 600 से 900 रूपए लगेंगे। लेकिन यहां तो कोरोना के सामान्य मरीजों से भी बेधड़क वसूली की जा रही है।

कोरोना काल में शहर के उद्योगपतियों का क्रिकेट मैच या पीआर का जुगाड़

रविवार को डीसी इलेवन और चंद उद्योगपतियों का 20-20 मैच

मजदूर मोर्चा ब्यूरो

फरीदाबाद: शहर के चंद उद्योगपति और जिला प्रशासन के बीच इस रविवार यानी 22 नवम्बर को 20-20 क्रिकेट मैच रखा गया है। कोरोना काल में होने वाले इस मैच का ढिंढोरा एक औद्योगिक संगठन का चेयरमैन और उद्योगपति ने सोशल मीडिया पर पीटा है। हालांकि डीसी या जिला प्रशासन की ओर से इस संबंध में कोई बयान जारी नहीं किया गया है। यह सारा मामला आपसी जनसंपर्क (पब्लिक रिलेशन- पीआर) बढ़ाकर प्रशासन के छोटे अफसरों और कर्मचारियों पर रौब जमाने की कार्रवाई के अलावा कुछ नहीं है।

जयराज ग्रुप आफ इंडस्ट्रीज के मालिक राजीव चावला आटो पार्ट्स और अन्य औद्योगिक सामान बनाने की कंपनी चलाते हैं। इसके अलावा वह एक और राष्ट्रीय स्तर का औद्योगिक संगठन भी चलाते हैं, जिसका नाम - माइक्रो, स्माल एंड मीडियम एंटरप्राइजेज आफ इंडिया (एमएस एमईआई) है। राजीव चावला ने सोशल मीडिया पर इस क्रिकेट मैच की घोषणा 18 नवम्बर को की। उस घोषणा के मुताबिक राजीव चावला ने उसमें बताया है कि 22 नवम्बर (रविवार) को सेक्टर 78 ग्रेटर फरीदाबाद के फेरवेन्ट एरीना ग्राउंड पर यह मैच जिला प्रशासन और आई एम एसएमई आफ इंडिया (Iam SMEofindia) के बीच खेला जाएगा। उनके मुताबिक जिला प्रशासन की टीम जिसे डीसी इलेवन के नाम से जाना जाता है, उसका नेतृत्व यशपाल यादव (डीसी फरीदाबाद) करेंगे। मैच सुबह दस बजे शुरू होगा। ट्विटर पर की गई इस घोषणा को राजीव चावला ने डीसी को भी टैग किया है, ताकि डीसी को भी इसकी जानकारी हो जाये। डीसी या जिला प्रशासन का इस आयोजन पर चुप रहना बता रहा है कि वे इस आयोजन से सहमत होंगे। बहरहाल, खुद डीसी ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

इसमें पुलिस विभाग के अधिकारी शामिल होंगे या नहीं होंगे, इस पर भी साफ तस्वीर नहीं है। आपतौर पर ऐसे आयोजनों में जिला प्रशासन और पुलिस के आला अफसर साथ-साथ शामिल होते रहे हैं।

शहर के कुछ उद्योगपतियों ने बताया कि राजीव चावला अपना खुद का संगठन चलाते हैं। वह फरीदाबाद की पूरी इंडस्ट्री का प्रतिनिधित्व नहीं करते। इसलिए इसे उद्योगपतियों और जिला प्रशासन के बीच क्रिकेट मैच नहीं कहा जाएगा। फरीदाबाद इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (एफआईए) और लघु उद्योग भारती ही फरीदाबाद के उद्योगपतियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जिला प्रशासन को यह बात अच्छी तरह मालूम है कि एफआईए क्या है। कुछ उद्योगपतियों ने बताया कि हो सकता है कि राजीव चावला अपने संगठन के पदाधिकारियों और कर्मचारियों की टीम बनाकर डीसी इलेवन के साथ मैच खेलने जा रहे हों।

बता दें कि फरीदाबाद में कोरोना के केस बढ़ते ही जा रहे हैं। खुद डीसी यशपाल यादव दो दिनों से इसे लेकर बैठकें कर रहे हैं। उन्होंने बुधवार को इस संबंध में प्राइवेट अस्पतालों को भी बेड खाली रखने के निर्देश जारी किये। एक तरफ फरीदाबाद में यह स्थिति है और छठ पर्व भी चल रहा है तो ऐसे में जिला प्रशासन के किस अधिकारी को इस रविवार को उद्योगपतियों से मैच खेलने की फुरसत होगी। यह समझ से परे है कि राजीव चावला ने किन अफसरों से पूछकर क्रिकेट मैच आयोजन का फैसला लिया है। इस संबंध में राजीव चावला के दफ्तर में फोन से संपर्क की कोशिश की गई लेकिन उधर से किसी ने फोन नहीं उठाया।

किसान भाइयो के लिए खास सूचना

फरीदाबाद (म.मो) : कृषि वैज्ञानिक डाक्टर सुरेन्द्र दलाल द्वारा स्थापित खेत स्कूल किसानों को जैविक खेती के लिए प्रोत्साहित करता रहा है। उनकी मृत्यु के बाद भी बलजीत भ्यान्न के निर्देशन में हिसार और जींद जिलों के बहुत सरे गावों मै किसान रासायनिक खाद व कीटनाशकों से मुक्त खेती कर रहे है। इसी समूह द्वारा आम जनता को 2021 में देसी जैविक गेंहू उपलब्ध करवाने का प्रयास किया जा रहा है। डॉक्टर दलाल खेत स्कूल की तरफ से बयान जारी किया गया है।

डा. दलाल किसान खेत स्कूल गांव जेवरा, हिसार के किसानों द्वारा बिना कीटनाशक प्रयोग किए देशी गेहूं सी-306 पैदा करके सीधे उपभोक्ताओं के पास पहुंचाई जायेगी। गेहूं साफ करके, पैकिंग करके उपभोक्ता के घर पर पहुंचवाई जायेगी।

गेहूं का भाव 4000 रुपये प्रति क्लिंटन होगा। इसे खरीदने के इच्छुक व्यक्ति अपनी बुकिंग करवा दें, ताकि मांग के अनुसार बिजाई करवाई जा सके। गेहूं की सप्लाई मई 2021 में उन्हीं लोगों को की जायेगी जो अब बुकिंग करवा देंगे।

बुकिंग के लिये दलजीत भ्याण फोन न. 9813444282 पर सम्पर्क करे।

प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक सतीश कुमार ने अपने स्वामित्व में एजीएस पब्लिकेशन्स, डी-67, सैक्टर-6, नोएडा से मुद्रित करवा कर 708 सैक्टर-14 फरीदाबाद से प्रकाशित किया। Postal Reg. No. L/H.R/FBD/463-06